वार्षिक प्रतिवेदन

2007-08

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

(पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त परिषद्)

देहरादून (उत्तराखण्ड)

संरक्षक :
श्री जगदीश किशवान, भा.व.से.
महानिदेशक,
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
देहरादून

प्रकाशित :
मीडिया एवं प्रकाशन प्रभाग
विस्तार निदेशालय
डाकघर– न्यू फॉरेस्ट, देहरादून – 248006 (उत्तराखण्ड), भारत

संकलन एवं सम्पादन :
डॉ. रवीन्द्र कुमार, भा.व.से., उप महानिदेशक (विस्तार), भा.वा.अ.शि.प.
श्री सर्वेश सिंघल, भा.व.से., सहा. महानिदेशक (मीडिया एवं प्रकाशन), भा.वा.अ.शि.प.
श्री रमाकान्त मिश्र, अनु. अधिकारी (मीडिया एवं प्रकाशन), भा.वा.अ.शि.प.

प्रसंस्करण :
श्री डी. एस. रौथाण, फोरमैन (मुद्रण) (मीडिया एवं प्रकाशन), भा.वा.अ.शि.प.
श्री सुरेन्द्र सिंह, अनुसंधान सहायक–I (मीडिया एवं प्रकाशन), भा.वा.अ.शि.प.
श्री आनन्द सिंह रावत, कम्पोजिटर (मीडिया एवं प्रकाशन), भा.वा.अ.शि.प.

मार्च 2008

मुद्रक : इंडिया ऑफसेट प्रैस,
ए–1, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया
फेस–1, नई दिल्ली
दूरभाष : 011–28116494, 28115486

आवरण पृष्ठ : शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में गुग्गल (कॉमिफोरा विगलाई) का वृहत प्रवर्धन, गुग्गल का ऊतक संवर्द्धन और जैट्रोफा फलों का निष्कोषण

पृष्ठ आवरण : काष्ठ विज्ञान प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर में रबरवुड (हीविया ब्रासिलेन्सिस) से बने काष्ठ हस्तशिल्प

सत्यमेव जयते

जगदीश किशवान
महानिदेशक एवं
कुलाधिपति व.अ.स. विश्वविद्यालय
JAGDISH KISHWAN
Director General and
Chancellor, FRI University

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
(आइएसओ 9001 : 2000 प्रमाणित संस्था)
(पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था)
पो.ओ. न्यू फॉरेस्ट, देहरादून–248 006
Indian Council of Forestry Research and Education
(An ISO 9001:2000 Certified Organisation)
(An autonomous body of Ministry of Environment and Forests, Government of India)
P.O. New Forest, Dehra Dun - 248 006

प्राक्कथन

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् (भा.वा.अ.शि.प.) देश का प्रमुख वानिकी अनुसंधान संगठन है जो देश के वानिकी स्रोतों के सतत् प्रबंधन और समग्र विकास के लिए वानिकी अनुसंधान, शिक्षा एवं विस्तार कार्यक्रमों का संचालन करता है। मुझे वार्षिक रिपोर्ट के माध्यम से वानिकी क्षेत्र के संगठनों, अन्य पणधारियों, सहयोगियों और मुख्यतः आम लोगों के साथ परिषद् की गतिविधियों से संबंधित सूचनाओं को प्रकाशित करते हुए अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

हमारे लिए जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से वर्ष 2007–08 अत्यन्त महत्वपूर्ण रहा। जैसे बाली सी ओ पी–13 में नीति निर्धारण के लिए वन संरक्षण और उसके फलस्वरूप बढ़ने वाले कार्बन स्टॉक की महत्ता स्वीकार की गई और संरक्षण प्रतिपूर्ति की भारतीय अवधारणा को "बाली कार्य योजना" में स्थान दिया गया। अवधारणा से संबंधित कार्य प्रणालियों का विकास करने के लिए भा.वा.अ.शि.प. ने नई दिल्ली में दो कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिनमें से एक राष्ट्रीय कार्यशाला स्वच्छ विकास कार्यविधि वनीकरण और पुनर्वनीकरण परियोजनाओं हेतु क्षमता वृद्धि के बारे में और दूसरी अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला वनों के संरक्षण एवं सतत् प्रबंधन और वनाच्छादन में वृद्धि के फलस्वरूप बढ़ते वन कार्बन स्टॉक के आकलन हेतु कार्य प्रणालियों का विकास करने के बारे में आयोजित की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा प्रसभा (UNFCCC) के वैज्ञानिक एवं तकनीकी सलाह निकाय/क्रियान्वयन आनुषंगिक निकाय (SBSTA/SBI) के द्वारा जलवायु परिवर्तन पर बॉन्न, जर्मनी में 7 से 18 मई 2007 तक बैठकों का आयोजन किया गया जिसकी 26वीं बैठक में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के प्रतिनिधिमण्डल ने भाग लिया और विकासशील देशों में निर्वनीकरण से होने वाले उत्सर्जन को कम करने (REDD) पर भारत के दृष्टिकोण को प्रभावी ढ़ंग से प्रस्तुत किया।

परिषद् को इसी वर्ष आई.एस.ओ. : 9001–2000 गुणवत्ता प्रबंधन पद्धति प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। परिषद् ने वानिकी विस्तार गतिविधियों को कारगर बनाने के लिए राज्य वन विभागों के साथ मिलकर वन विज्ञान केन्द्र तथा आदर्श ग्रामों (डेमो विलेज) की स्थापना हेतु गंभीर प्रयास किये। पर्यावरणीय समाघात मूल्यांकन, पर्यावरणीय प्रबन्धन योजना, जलग्रहण क्षेत्र उपचार योजना (EIA, EMP, CATP) से संबंधित कई परामर्शी अध्ययन किये गये तथा मुख्यतः जलविद्युत और खनन् क्षेत्र में सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण किये गये।

परिषद् द्वारा वानिकी क्षेत्र में शिक्षा देने वाले देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों को वित्तीय सहायता प्रदान कर वानिकी शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्ष 2007–08 में परिषद् ने बारह विश्वविद्यालयों को अनुदान के रूप में रु. 500.50 लाख की सहायता प्रदान की। इसके साथ–साथ परिषद् ने विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में वानिकी में स्नातक व स्नातकोत्तर उपाधि हेतु मानक एवं एकरूप पाठ्यक्रम का निर्धारण किया तथा वानिकी पाठ्यक्रमों/विभागों के प्रमाणीकरण हेतु दिशा निर्देशों को अन्तिम रूप दिया।

इस रिपोर्ट का उद्देश्य परिषद् की अनुसंधान, शिक्षा एवं विस्तार गतिविधियों की पूरी जानकारी देना है और मुझे वर्ष 2007–08 की इस वार्षिक रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए अपार प्रसन्नता हो रही है।

जे० किशवान

(जगदीश किशवान)
20-10-2008

दिनांकः 20 अक्टूबर 2008

दूरभाष/Phone : 0135 - 2759382 (O), 2754748 (R)
2224855 (O)
2224509 (R)

ई.मेल/e.mail : jkishwan@nic.in
jkishwan@icfre.org
फैक्स/Fax : 0135-2755353

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् की संगठनात्मक संरचना